संस्कृतविभागः

DEPARTMENT OF SANSKRIT

कला-संचार-भाषा-संकायः

SCHOOL OF ARTS, COMMUNICATION AND LANGUAGES

राष्ट्रियशिक्षानीति २०२० अनुरूपः

According to NEP 2020

द्विवर्षीयः स्नातकोत्तरकक्षायाः प्रथमवर्षस्य पाठ्यक्रमः

Syllabus For 1st Year of Two Years

Post Graduation Programme

२०२५-२०२६ सत्रात् प्रवृत्तः

W.E.F. SESSION 2025-2026

हेमवती-नन्दन-बहुगुणा-गढवाल-विश्वविद्यालयः

(केन्द्रिय-विश्वविद्यालयः)

श्रीनगरम् (गढवालः), उत्तराखण्डः

HEMVATI NANDAN BAHUGUNA GARHWAL UNIVERSITY

(A CENTRAL UNIVERSITY)

SRINAGAR (GARHWAL), UTTARAKHAND

संस्कृतविषये द्विवर्षीयएम.ए.कक्षायाः प्रथमषाण्मासिकसत्रान्तपरीक्षायाः पाठ्यक्रमः

Semester 1ST

Core Major I:	**उपनिषद् वैदिकवाङ्मयेतिहासश्च**	**(5)**
Core Major II:	**भारतीयदर्शनम्(तर्कभाषा सांख्यकारिका च)**	**(5)**
Core Major III:	**नाटकं गद्यकाव्यञ्च**	**(5)**
Core Major IV:	**व्याकरणम्**	**(5)**
Core Major Elective I:	**धर्मशास्त्रम्**	**(4)**
	OR (अथवा)	
	संस्कृतपरम्परायां धर्म-दर्शनं-संस्कृतिश्च	

Total Papers: 5 **Total Credits: (24)**

Semester 2ND

Core Major V:	**वैदिकसूक्तानि निरुक्तञ्च**	**(5)**
Core Major VI:	**भारतीयदर्शनम् (वेदान्तसारः अर्थसङ्ग्रहश्च)**	**(5)**
Core Major VII:	**संस्कृतमहाकाव्यम्**	**(5)**
Core Major VIII:	**भाषाविज्ञानम्**	**(5)**
Core Major Elective II:	**गीतायाम् आत्मप्रबन्धनम्**	**(4)**
	OR (अथवा)	
	पुराणेतिहासौ	

Total Papers: 5 **Total Credits: (24)**

द्विवर्षीयस्नातकोत्तरपरीक्षापाठ्यक्रमः

द्विवर्षीय स्नातकोत्तर परीक्षा पाठ्यक्रम

एम.ए. प्रथमं षाण्मासिकं सत्रम्

एम. ए. प्रथम सेमेस्टर

सूचना

प्रत्येकं प्रश्नपत्राय ४०+६०=१०० पूर्णाङ्काः सन्ति। एतेषु ४० अङ्का आन्तरिक-मूल्याङ्कनाय (For Sessionals) ६० अङ्काश्च षाण्मासिकसत्रान्तपरीक्षायै सन्ति।

प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए ४०+६०= १०० पूर्णाङ्क हैं। इनमें से ४० अङ्क आन्तरिक मूल्याङ्कन (Sessionals) के लिए और ६० अङ्क षाण्मासिक सत्रान्त परीक्षा के लिए हैं।

Core Major I: **CREDITS 05**

प्रथमं प्रश्नपत्रम्- उपनिषद् वैदिकवाङ्मयेतिहासश्च **पूर्णाङ्काः ६०**

प्रथम प्रश्नपत्र— उपनिषद् और वैदिक वाङ्मय का इतिहास

(क) **तैत्तिरीयोपनिषत्** ३०

तैत्तिरीयोपनिषत्

(ख) **वैदिकवाङ्मयेतिहासः** ३०

वैदिक वाङ्मय का इतिहास

सहायका ग्रन्थाः-

(१) भगवद्दत्तकृतः **'वैदिक वाङ्मय का इतिहास'** इति. नवा दिल्ली**:** प्रणवप्रकाशनम्. १/२८ पंजाबीबागः.

भगवद्दत्त. **वैदिक वाङ्मय का इतिहास.** नई दिल्ली: प्रणव प्रकाशन. १/२८ पंजाबी बाग.

(२) उपाध्यायोपाह्वबलदेवकृतः **'वैदिक साहित्य और संस्कृति'** इति. काशी**:** शारदामन्दिरम्, १९६७.

उपाध्याय, बलदेव. **वैदिक साहित्य और संस्कृति.** काशी**:** शारदा मन्दिर, १९६७.

(३) द्विवेद्युपाह्वकपिलदेवकृतः **'संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास'**

इति. इलाहाबादम्**:** संस्कृतसाहित्यसंस्थानम् ३७. कचेहरी मार्गः.

द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.** इलाहाबाद**:** संस्कृत साहित्य संस्थान ३७. कचेहरी मार्ग.

(४) मैक्डोनलोपाह्वएकृतः **'ए हिस्ट्री ऑफ़ संस्कृत लिटरेचर** ' इति. न्यू यार्क**:** डी. ऐप्पलटन एन्ड कम्पनी, १९००.

Macdonnel, A. **A History of Sanskrit Literature.** New York: D. Appleton and Company, 1900.

(५) विन्टरनित्जोपाह्वएमकृतः **'जेशिस्टे डर इन्डिशे लिटरातुर'** इति**.** अंग्रेज्याम् अनुवादः **'ए हिस्ट्री ऑफ़ इन्डियन लिटरेचर'** इति. दिल्ली**:** मोतीलालः बनारसीदासः, २०१०.

Winternitz, M. **Geschichte der Indischen Litteratur. Eng.Tran.A History of Indian Literature.** Delhi: Moti Lal Banarasidass. 2010.

Core Major II: **CREDITS 05**

द्वितीयं प्रश्नपत्रम्- भारतीयदर्शनम् (तर्कभाषा साङ्ख्यकारिका च)

पूर्णाङ्काः ६०

द्वितीय प्रश्नपत्र- भारतीय दर्शन (तर्कभाषा और सांख्यकारिका)

(क) केशवमिश्रकृता **तर्कभाषा** प्रामाण्यवादपर्यन्ता ३०

केशवमिश्र. **तर्कभाषा** प्रामाण्यवादपर्यन्त

(ख) ईश्वरकृष्णकृता **सांख्यकारिका** ३०

ईश्वरकृष्ण. **सांख्यकारिका**

सहायका ग्रन्थाः-

(१) केशवमिश्रकृता **तर्कभाषा**. हिन्द्यनुवादकः सम्पादकश्च विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणिः. वाराणसी**:** चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, विक्रमसंवत्सरः २०६२.

केशवमिश्र. **तर्कभाषा**. हिन्दीअनुवादक और सम्पादक

विश्वेश्वरसिद्धान्तशिरोमणि. वाराणसी**:** चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६२.

(२) केशवमिश्रकृता **तर्कभाषा**. माधुरीहिन्दीव्याख्योपेता. व्याख्याकारः सम्पादकश्च गजाननशास्त्री मुसलगाँवकरः. वाराणसी**:** चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, १९८४.

केशवमिश्र. **तर्कभाषा**. माधुरी हिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर. वाराणसी**:** चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९८४.

(३) ईश्वरकृष्णकृता **सांख्यकारिका** वाचस्पतिमिश्रकृतसांख्यतत्त्वकौमुदीटीकया सांख्यतत्त्वकौमुद्याश्च विद्वत्तोषिणीव्याख्ययोपेता. व्याख्याकारः बालरामोदासीनः. वाराणसी**:** भारतीयविद्यासंस्थानम्. जगतगंजः.

ईश्वरकृष्ण. **सांख्यकारिका** वाचस्पतिमिश्रकृत सांख्यतत्त्वकौमुदी टीका और सांख्यतत्त्वकौमुदी की विद्वत्तोषिणी व्याख्या युक्त. व्याख्याकार बालराम उदासीन. वाराणसी**:** भारतीय विद्या भवन. जगत गंज.

(४) ईश्वरकृष्णकृता **सांख्यकारिका** वाचस्पतिमिश्रकृतसांख्यतत्त्वकौमुदीटीकया सांख्यतत्त्वकौमुद्याश्च प्रभाहिन्दीटीकयोपेता. हिन्दीटीकाकारः आद्याप्रसादमिश्रः. इलाहाबादम्**:** सत्यप्रकाशनम् बलरामपुरहाउसम्. पुनः प्रकाशिता. इलाहाबादम्**:** प्रेमप्रकाशनम्, १९६९.

ईश्वरकृष्ण. **सांख्यकारिका.** वाचस्पतिमिश्रकृत सांख्यतत्त्वकौमुदी टीका और सांख्यतत्त्व- कौमुदी की प्रभा हिन्दी टीका सहित. हिन्दीटीकाकार आद्याप्रसाद मिश्र. इलाहाबाद**:** सत्यप्रकाशन बलरामपुर हाउस. पुनः प्रकाशित. इलाहाबाद**:** प्रेमप्रकाशन, १९६९

Core Major III: **CREDITS 05**

तृतीयं प्रश्नपत्रम्- नाटकं गद्यकाव्यञ्च **पूर्णाङ्काः ६०**

तृतीय प्रश्नपत्र— नाटक और गद्यकाव्य

(क) भवभूतिकृतम् **उत्तररामचरितम्** ४५

भवभूति. **उत्तररामचरित**

(ख) बाणभट्टकृते **हर्षचरिते** प्रथम उच्छ्वासः १५

बाणभट्ट. **हर्षचरित** प्रथम उच्छ्वास

सहायका ग्रन्थाः-

(१) भवभूतिकृतम् **उत्तररामचरितम्**. व्याख्याकारः सम्पादकश्च डॉ. कपिलदेवः द्विवेदी. इलाहाबादम्**:** संस्कृतसाहित्यसंस्थानम्,१९७४.

भवभूति. उत्तररामचरित. व्याख्याकार और सम्पादक डॉ. कपिलदेव द्विवेदी. इलाहाबाद**:** संस्कृत साहित्य संस्थान,१९७४.

(२) भवभूतिकृतम् **उत्तररामचरितम्.** अनुवादकः सम्पादकश्च एम आर काले. दिल्ली: मोतीलालः बनारसीदासः,२०१४.

Bhavabhūti. **The Uttararāmacaritam.** Tran. & Ed. M.R. Kāle. Delhi: Motilal Banarasidass, 2014.

(३) बाणभट्टकृतं **हर्षचरितम्.** हिन्दीभाषानुवादकः सम्पादकश्च जगन्नाथः पाठकः. वाराणसी**:** चौखम्बाविद्याभवनम्,१९७२.बाणभट्ट. **हर्षचरित**. हिन्दीभाषा अनुवादक और सम्पादक जगन्नाथ पाठक. वाराणसी**:** चौखम्बा विद्या भवन, १९७२.

(४) बाणभट्टकृतं **हर्षचरितम्.** हिन्दीभाषानुवादकः केशवरावः मुसलगाँवकरः. सम्पादकः गजाननशास्त्री मुसलगाँवकरः. वाराणसी: चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, विक्रमसंवत्सरः २०४९.

बाणभट्ट. **हर्षचरित.** हिन्दीभाषानुवादक केशवराव मुसलगाँवकर. सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर. वाराणसी: चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०४९.

(५) द्विवेद्युपाह्वकपिलदेवकृतः '**संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास** ' इति. इलाहाबादम्**:** संस्कृतसाहित्यसंस्थानम्.

द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.** इलाहाबाद: संस्कृत साहित्य संस्थान.

(६) त्रिपाठ्युपाह्वराधावल्लभकृतः **'संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास '** इति. सागरः: विश्वविद्यालयप्रकाशनम्, २००४.
त्रिपाठी, राधावल्लभ. **संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास.** सागर**:** विश्वविद्यालय प्रकाशन, २००४.

(७) पाण्डेयोपाह्वामरनाथकृता **'संस्कृतकविसमीक्षा '** इति. वाराणसी**:** चौखम्बा ओरिएन्टला, १९७७.
पाण्डेय, अमरनाथ. **संस्कृतकविसमीक्षा**. वाराणसी**:** चौखम्बा ओरिएन्टला, १९७७.

(८) कीथोपाह्वएबीकृतः **'द संस्कृत ड्रामा'** इति. लन्दनम्**:** ऑक्सफर्ड यूनिवर्सिटी प्रेसः. एली हाउस, १९७४.
Keith, AB. **The Sanskrit Drama.** London: Oxford University Press. Ely House, 1974.

Core Major IV: **CREDITS 05**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्- व्याकरणम् **पूर्णाङ्काः ६०**

चतुर्थ प्रश्नपत्र- व्याकरण

(क) पतञ्जलिकृते **व्याकरणमहाभाष्ये** पस्पशाह्निकम् १५
पतञ्जलि. **व्याकरणमहाभाष्य** पस्पशाह्निक

(ख) भट्टोजिदीक्षितकृतौ **वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्यां** कारकप्रकरणम् ३०
भट्टोजिदीक्षित. **वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी** कारकप्रकरण

(ग) वरदराजकृतौ **लघुसिद्धान्तकौमुद्यां** समासप्रकरणम् १५
वरदराज. **लघुसिद्धान्तकौमुदी** समासप्रकरण

सहायका ग्रन्थाः-

(१) वरदराजकृता **लघुसिद्धान्तकौमुदी**. प्राज्ञतोषिणीव्याख्याकारः सम्पादकश्च श्रीधरानन्दः शास्त्री घिल्डियालः. दिल्ली: मोतीलालः बनारसीदासः, १९७७.
वरदराज. **लघुसिद्धान्तकौमुदी** . प्राज्ञतोषिणी व्याख्याकार और सम्पादक श्रीधरानन्द शास्त्री घिल्डियाल. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास, १९७७.

(२) भट्टोजिदीक्षितकृता **वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी** वासुदेवदीक्षितकृतबाल-मनोरमोपेता. सम्पादको गोपालदत्तः शास्त्री नेने इति. वाराणसी: चौखम्बासंस्कृतसीरिजम् आफिस, २०१०.
भट्टोजिदीक्षित. **वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी** वासुदेवदीक्षितकृत बालमनोरमा सहित. सम्पादक गोपालदत्त शास्त्री नेने. वाराणसी: चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस, २०१०.

(३) श्रीनिवासशास्त्रिकृतं **एम.ए.संस्कृतव्याकरणम्.** मेरठम्**:** साहित्यभाण्डारम्. सुभाषबाजारः,१९७७.
श्रीनिवासशास्त्री. **एम.ए. संस्कृतव्याकरण.** मेरठ**:** साहित्य भण्डार. सुभाष बाजार, १९७७.

(४) पतञ्जलिकृतं **व्याकरणमहाभाष्यम्**. हिन्द्यनुवादको विवरणकारश्च चारुदेवशास्त्री. दिल्ली**:** मोतीलालः बनारसीदासः बंगलो मार्गः. जवाहरनगरम्.
पतञ्जलि. **व्याकरणमहाभाष्य.** हिन्दी अनुवादक और विवरणकार चारुदेव शास्त्री. दिल्ली**:** मोतीलाल बनारसीदास बंगलो मार्ग जवाहर नगर.

(५) पतञ्जलिकृतं **व्याकरणमहाभाष्यम्**. व्याख्याकारः सम्पादकश्च हरिनारायणः तिवारी. वाराणसी**:** चौखम्बाविद्याभवनम्, २००९.
पतञ्जलि. **व्याकरणमहाभाष्य**. व्याख्याकार और सम्पादक हरिनारायण तिवारी. वाराणसी**:** चौखम्बा विद्या भवन, २००९.

(६) पतञ्जलिकृते **व्याकरणमहाभाष्ये** पस्पशाह्निकम्**.** व्याख्याकारः सम्पादकश्च मधुसूदनप्रसादमिश्रः. वाराणसी**:** चौखम्बाविद्याभवनम्, २०१०.
पतञ्जलि. **व्याकरणमहाभाष्य** पस्पशाह्निक. व्याख्याकार और सम्पादक मधुसूदनप्रसादमिश्र. वाराणसी**:** चौखम्बा विद्या भवन,२०१०.

Core Major Elective I: **CREDITS 04**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्- धर्मशास्त्रम् **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र- धर्मशास्त्र

(क) **मनुस्मृतौ** पञ्चम- षष्ठ- सप्तमा अध्यायाः ३०

मनुस्मृति पञ्चम, षष्ठ और सप्तम अध्याय

(ख) **याज्ञवल्क्यस्मृतौ** द्वितीयो व्यवहाराध्यायः ३०

याज्ञवल्क्यस्मृति द्वितीय व्यवहाराध्याय

सहायका ग्रन्थाः-

(१) **मनुस्मृतिः** कुल्लूकभट्टकृतमन्वर्थमुक्तावल्या टीकया शिवराजाचार्यकौण्डायनकृतहिन्द्यनुवादेनोपेता च. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्याभवनम्, २००७.

मनुस्मृति कुल्लूकभट्टकृत मन्वर्थमुक्तावली टीका और शिवराज आचार्य कौण्डायन कृत हिन्दी अनुवाद सहित. वाराणसी¦ चौखम्बा विद्याभवन, २००७.

(२) **मनुस्मृतिः.** सम्पादकः राजवीरः शास्त्री. दिल्ली¦ आर्ष-साहित्य-प्रचार- ट्रस्टः, १९८५.

मनुस्मृति. सम्पादक राजवीर शास्त्री. दिल्ली¦ आर्ष साहित्य प्रचार ट्रस्ट, १९८५.

(३) **याज्ञवल्क्यस्मृतिः** विज्ञानेश्वरप्रणीतमिताक्षरासहिता. हिन्दीव्याख्याकारः उमेशचन्द्रः. वाराणसी¦ चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, विक्रमसंवत्सरः २०६५.

याज्ञवल्क्यस्मृति. विज्ञानेश्वरप्रणीत मिताक्षरा टीकासहित, हिन्दी व्याख्याकार उमेशचन्द्र. वाराणसी¦ चौखम्बा संस्कृत संस्थान, विक्रम संवत्सर २०६५.

(४) **याज्ञवल्क्यस्मृतिः.** टीकाकारः सम्पादकश्च नारायण आचार्यः. दिल्ली¦ नाग पब्लिशर्स ११ए/यू०ए०जवाहरनगरम्,१९८३.

याज्ञवल्क्यस्मृति. टीकाकार और सम्पादक नारायण आचार्य. दिल्ली¦ नाग पब्लिशर्स११ए/यू०ए०जवाहरनगरम,१९८३.

अथवा

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्- संस्कृतपरम्परायां धर्म-दर्शनं-संस्कृतिश्च पूर्णाङ्काः ६०

पञ्चम प्रश्नपत्र- संस्कृत परम्परा में धर्म, दर्शन और संस्कृति

(क) **धर्म-** सनातनधर्मस्य स्वरूपं लक्षणप्रकाराश्च, मानवीयमूल्यानि, पञ्चमहायज्ञाः, षोडश संस्काराः, पुनर्जन्मनः कर्मफलस्य च अवधारणा २०

धर्म- सनातन धर्म का स्वरूप लक्षण एवं प्रकार, मानवीय मूल्य, पञ्च महायज्ञ, षोडश संस्कार, पुनर्जन्म और कर्मफल की अवधारणा

(ख) **दर्शनम्-** भारतीयदर्शनेतिहासः १५

दर्शनम्-भारतीय दर्शन का इतिहास

(ग) **संस्कृतिः-** भारतीयसंस्कृतौ वर्णव्यवस्था, आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थाः, प्राचीनभारते नारीणां स्थितिः, भारतीया प्राचीनशिक्षा, भारतीयं प्राचीनं शिल्पं कला च। २५

संस्कृतिः- भारतीय संस्कृति में वर्ण-आश्रमव्यवस्था, पुरुषार्थ, प्राचीन भारत में नारियों की स्थिति, भारतीय प्राचीन शिक्षा, भारतीय प्राचीन शिल्प और कलाएं।

सहायका ग्रन्थाः-

(१) उपाध्यायोपाह्वबलदेवकृतः **'वैदिक साहित्य और संस्कृति'** इति. काशी¦ शारदामन्दिरम्, १९६७.
उपाध्याय, बलदेव. **वैदिक साहित्य और संस्कृति.** काशी¦ शारदा मन्दिर, १९६७.

(२) मिश्रोपाह्वोमेशकृतं **भारतीयदर्शनम्**. लखनऊः**:** हिन्दीसमितिग्रन्थमाला १०,१९६४.
मिश्र, उमेश. **भारतीयदर्शन**. लखनऊ**:** हिन्दी समिति ग्रन्थमाला १०, १९६४.

(३) उपाध्यायोपाह्वबलदेवकृतं **भारतीयदर्शनम्,** वाराणसी**:** शारदामन्दिरम्, १९७१.
उपाध्याय, बलदेव. **भारतीय दर्शन.** वाराणसी**:** शारदा मन्दिर,१९७१.

(४) हिरियन्नोपाह्वमैसोरकृत **'आउट लाइन्ज ऑफ़ इन्डियन फ़िलासफी'** इति.

दिल्ली**:** मोतीलालः बनारसीदासः, १९९३. हिन्द्याम् अनुवादः **'भारतीय दर्शन की रूपरेखा'** इति. अनुवादकाः डॉ. गोवर्धनभट्टः, श्रीमती मञ्जुगुप्ता, सुखवीरः चौधरीः च. नवा दिल्ली**:** राजकमलप्रकाशनम् ,१९९३.

Hiriyanna, Mysore. **Outlines of Indian Philosophy**. Delhi**:** Motilal Banarasidass, 1993.

(५) दासगुप्तोपाह्वसुरेन्द्रनाथकृतः **'ए हिस्ट्री ऑफ़ इन्डियन फ़िलासफी'** इति. दिल्ली**:** कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेसः. हिन्द्याम् अनुवादः **'भारतीय दर्शन का इतिहास'** इति. अनुवादकाः ए.यू. वसावड़ाः, डॉ. मोहनलाल इत्यादयः जयपुरम्**:** राजस्थान- हिन्दी- ग्रन्थ- अकादमी.

Dasgupta, Surendra Nath. **A History of Indian Philosophy**. Delhi: Cambridge University Press.

(६) सर्वपल्लीराधाकृष्णनकृतः **'इन्डियन फ़िलासफ़ी'** इति. अनुवादः**. 'भारतीयदर्शन'** इति. अनुवादकः नन्दकिशोरः गोभिलः. दिल्ली**:** राजपाल एण्ड सन्स. कश्मीरी गेटः.

Radha Krishanan, S. **Indian Philosophy**. Delhi: Cambridge University Press.

(७) गोयलोपाह्वा डॉ. प्रीतिप्रभा. '**भारतीय संस्कृति'** इति. जोधपुरम्¦ राजस्थानी ग्रन्थागारः सोजती गेटः,२००४

गोयल, डॉ. प्रीतिप्रभा. **भारतीय संस्कृति.** जोधपुर¦ राजस्थानी ग्रन्थागार सोजती गेट,२००४

(८) शास्त्री, डॉ. नरेन्द्रदेवः सिंहः.'**भारतीय संस्कृति का इतिहास'** इति. मेरठम्¦ साहित्यभाण्डारं सुभाषबाज़ारः, १९६९.

शास्त्री, डॉ. नरेन्द्रदेव सिंह.'**भारतीय संस्कृति का इतिहास'**. मेरठ¦ साहित्य भण्डार. सुभाष बाज़ार, 1969.

एम.ए. द्वितीयं षाण्मासिकं सत्रम्

एम. ए. द्वितीय सेमेस्टर

सूचना

प्रत्येकं प्रश्नपत्राय ४०+६०=१०० पूर्णाङ्काः सन्ति। एतेषु ४० अङ्का आन्तरिक-मूल्याङ्कनाय (For Sessionals) ६० अङ्काश्च षाण्मासिकसत्रान्तपरीक्षायै सन्ति।

प्रत्येक प्रश्नपत्र के लिए ४०+६०= १०० पूर्णाङ्क हैं। इनमें से ४० अङ्क आन्तरिक मूल्याङ्कन (Sessionals) के लिए और ६० अङ्क षाण्मासिक सत्रान्त परीक्षा के लिए हैं।

Core Major V: **CREDITS 05**

प्रथमं प्रश्नपत्रम्- वैदिकसूक्तानि निरुक्तञ्च **पूर्णाङ्काः ६०**

प्रथम प्रश्नपत्र- वैदिकसूक्त और निरुक्त

(क) **वैदिकसूक्तानि** ४५

वैदिकसूक्त

ऋग्वेदस्य सूक्तानि— इन्द्रसूक्तम् १/३२, सवितृसूक्तम् १/३५, उषस्सूक्तम् १/४८, सूर्यसूक्तम् १/११५, विश्वामित्रनदीसंवादसूक्तम् ३/३३, सोमसूक्तम् ९/८०, पर्जन्यसूक्तम् ५/८३, पुरुषसूक्तम् १०/९०, हिरण्यगर्भसूक्तम् १०/१२१, वाक्सूक्तम् १०/१२५, नासदीयसूक्तम् १०/१२९

माध्यन्दिनशुक्लयजुर्वेदस्य मन्त्रः— योगक्षेमः २२/२२

शौनकीयस्य अथर्ववेदस्य सूक्तम्— राष्ट्राभिवर्धनम् १/२९

ऋग्वेद के सूक्त— इन्द्रसूक्त १/३२, सवितृसूक्त १/३५, उषस्सूक्त १/४८, सूर्यसूक्त १/११५, विश्वामित्र-नदीसंवादसूक्त ३/३३, सोमसूक्त ९/८०, पर्जन्यसूक्त ५/८३, पुरुषसूक्त १०/९०, हिरण्यगर्भसूक्त १०/१२१, वाक्सूक्त १०/१२५, नासदीयसूक्त १०/१२९

माध्यन्दिन शुक्लयजुर्वेद का मन्त्र— योगक्षेम २२/२२

शौनकीय अथर्ववेद का सूक्त— राष्ट्राभिवर्धन १/२९

(ख) यास्ककृते **निरुक्ते** प्रथमाध्यायः द्वितीयाध्याये च प्रथमद्वितीयौ पादौ १५

यास्क. **निरुक्त** प्रथम अध्याय और द्वितीय अध्याय के प्रथम-द्वितीय पाद

सहायका ग्रन्थाः-

(१) चौबे इत्युपाह्वडॉ.ब्रजबिहारीतिकृतम्. **न्यू वेदिक सलेक्शनम्** भागद्वयात्मकम्. वाराणसी: भारतीयविद्याप्रकाशनम्, १९७६.

Chaubey, Dr. Braj Bihari. **The New Vedic Selection Part I &II.** Varanasi: Bharatiya Vidya Prakashan, 1976.

(२) डॉ.कृष्णकुमारसंकलितः **ऋक्सूक्तसुधाकरः.** मेरठम्: साहित्यभाण्डारं सुभाषबाज़ारः, १९७२.

डॉ.कृष्णकुमार. **ऋक्सूक्तसुधाकर.** मेरठ: साहित्य भण्डार, १९७२.

(३) यास्ककृतं निरुक्तम्. सम्पादकः उमाशङ्कर ऋषिः वाराणसी: चौखम्बाविद्याभवनम्, २००५.

यास्क. निरुक्त. सम्पादक उमाशङ्कर ऋषि वाराणसी: चौखम्बा विद्या भवन, २००५.

(४) यास्ककृतम्. निरुक्तम् दुर्गावृत्तिसहितम्. सम्पादकाः परमेश्वरान्द-छज्जूलाल-देवशर्माणः. दिल्ली: मेहरचन्द-लछमनदास-पब्लिकेशन, २००९.

यास्क. निरुक्त दुर्गावृत्ति सहित. सम्पादक परमेश्वरान्द. छज्जूलाल और देवशर्मा. दिल्ली: मेहरचन्द लछमनदास पब्लिकेशन, २००९.

Core Major VI: **CREDITS 05**

द्वितीयं प्रश्नपत्रम्- भारतीयदर्शनम् (वेदान्तसारः अर्थसङ्ग्रहश्च)

पूर्णाङ्काः ६०

द्वितीय प्रश्नपत्र- भारतीय दर्शन (वेदान्तसार और अर्थसंग्रह)

(क) सदानन्दयोगीन्द्रकृतः **वेदान्तसारः** ३०

सदानन्दयोगीन्द्र. **वेदान्तसार**

(ख) लौगाक्षिभास्करकृतः **अर्थसङ्ग्रहः** ३०

लौगाक्षिभास्कर. **अर्थसङ्ग्रह**

सहायका ग्रन्थाः-

(१) सदानन्दकृतः **वेदान्तसारः.** व्याख्याकारः सम्पादकश्च गजाननः शास्त्री मुसलगाँवकरः. वाराणसी: चौखम्बाकृष्णदासअकादमी. विक्रमसंवत्सरः २०५८.
सदानन्द. **वेदान्तसार.** व्याख्याकार और सम्पादक गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर. वाराणसी: चौखम्बा कृष्णदास अकादमी. विक्रम संवत्सर २०५८.

(२) सदानन्दकृतः **वेदान्तसारः.** रामतीर्थकृतविद्वन्मनोरञ्जनीटीकोपेतः. सम्पादकः रामगोविन्दशुक्लः. दिल्ली: भारतीयविद्याप्रकाशनम्, १९९०.
सदानन्द. **वेदान्तसार.** रामतीर्थकृत विद्वन्मनोरञ्जनी टीका सहित. सम्पादक रामगोविन्द शुक्ल . दिल्ली: भारतीय विद्या प्रकाशन, १९९०.

(३) लौगाक्ष्युपाह्वभास्करकृतः **अर्थसंग्रहः** प्रकाशिकया हिन्दीव्याख्ययोपेतः. व्याख्याकारः सम्पादकश्च कामेश्वरनाथमिश्रः. वाराणसी: चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, २०१०.
लौगाक्षी, भास्कर. **अर्थसंग्रह** प्रकाशिका हिन्दी व्याख्या सहित. व्याख्याकार और सम्पादक कामेश्वरनाथ मिश्र. वाराणसी: चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, २०१०.

Core Major VII: **CREDITS 05**

तृतीयं प्रश्नपत्रम्- संस्कृतमहाकाव्यम् **पूर्णाङ्काः ६०**

तृतीय प्रश्नपत्र- संस्कृत महाकाव्य

(क) माघकृतौ **शिशुपालवधे** प्रथमसर्गः ३०
माघ. **शिशुपालवध** प्रथमसर्ग

(ख) अश्वघोषकृतौ **बुद्धचरिते** प्रथमद्वितीयौ सर्गौ ३०
अश्वघोष. **बुद्धचरित** प्रथम और द्वितीय सर्ग

सहायका ग्रन्थाः-

(१) माघकृतम् **शिशुपालवधम्** मल्लिनाथसूरिकृतसर्वङ्कषया टीकयोपेतम्. मुंबई**:** खेमराजः श्रीकृष्णदासः वेङ्कटेश्वरस्टीम्मुद्रणालयः.
माघ. **शिशुपालवध.** मल्लिनाथसूरिकृत सर्वङ्कषा टीका सहित. मुंबई**:**

खेमराज श्रीकृष्णदास वेङ्कटेश्वर स्टीम् मुद्रणालय.

(२) माघकृते **शिशुपालवधे** मल्लिनाथसूरिकृतसर्वङ्कषया टीकयोपेते प्रथमसर्गः. व्याख्याकारः सम्पादकश्च डॉ. देवनारायणमिश्रः. मेरठम्**:** साहित्यभाण्डारं सुभाषबाज़ारः, १९९३.

माघ. **शिशुपालवध** मल्लिनाथसूरिकृत सर्वङ्कषा टीका सहित प्रथम सर्ग. व्याख्याकार और सम्पादक डॉ. देवनारायणमिश्र. मेरठ**:** साहित्य भण्डार सुभाषबाज़ार, १९९३.

(३) अश्वघोषकृतं **बुद्धचरितम्** प्रकाशहिन्दीव्याख्योपेतम्. व्याख्याकारः महन्तः श्रीरामचन्द्रदासः शास्त्री. वाराणसी**:** चौखम्बाविद्याभवनम्,१९९५.

अश्वघोष. **बुद्धचरित** प्रकाशहिन्दीव्याख्या सहित. व्याख्याकार महन्त श्रीरामचन्द्र दास शास्त्री. वाराणसी**:** चौखम्बा विद्या भवन, १९९५.

(४) द्विवेद्युपाह्वकपिलदेवकृतः **'संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास'** इति. इलाहाबादम्**:** संस्कृतसाहित्यसंस्थानम् ३७. कचेहरी मार्गः.

द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.** इलाहाबाद**:** संस्कृत साहित्य संस्थान ३७. कचेहरी मार्ग.

Core Major VIII: **CREDITS 05**

चतुर्थं प्रश्नपत्रम्- भाषाविज्ञानम् **पूर्णाङ्काः ६०**

चतुर्थ प्रश्नपत्र- भाषाविज्ञान

(क) **भाषा-** भाषाया व्यापकोऽर्थः, भाषाविज्ञानदृशा भाषाया अर्थः, भाषाया लक्षणम्, भाषायाः प्रकृतिः, भाषापरिवर्तनस्य कारणानि, भाषाया विविधा भेदा यथा- भाषा, विभाषा, बोली इति। भाषोत्पत्तिविषयकाणि विविधमतानि। भाषाणां वर्गीकरणम्। वर्गीकरणस्याधाराः, आकृतिमूलकं पारिवारिकं च वर्गीकरणम्, भारोपीयभाषापरिवारस्य सामान्यपरिचयः, भारोपीयभाषापरिवारान्तर्गतस्य आर्यपरिवारस्य सामान्यपरिचयः, भारोपीयभाषापरिवारान्तर्गतार्यपरिवारस्थभाषाणां विशेषाध्ययनम्,

अवेस्तासंस्कृतयोस्तुलना, वैदिकसंस्कृतस्य लौकिकसंस्कृतस्य च तुलना, भारतीयार्यभाषाणां वैदिकसंस्कृतादपभ्रंशपर्यन्तो विकासः। भाषाविज्ञानस्य लक्षणम्, भाषाविज्ञानस्य विविधैः शास्त्रैः सह सम्बन्धः। भाषाविज्ञानस्य अध्ययनक्षेत्रम्। भाषाविज्ञाने भाषाणामध्ययनस्य पद्धतयः यथा- समकालिका (वर्णनात्मक-संरचनात्मकभेदयुता), ऐतिहासिकी, तुलनात्मिका, प्रायोगिका चेति। ३०

भाषा- भाषा का व्यापक अर्थ, भाषाविज्ञान की दृष्टि से भाषा का अर्थ, भाषा का लक्षण, भाषा की प्रकृति, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा के विविध भेद यथा- भाषा, विभाषा, बोली। भाषा की उत्पत्ति से सम्बन्धित विविध मत। भाषाओं का वर्गीकरण। वर्गीकरण के आधार, आकृतिमूलक और पारिवारिक वर्गीकरण, भारोपीय भाषा परिवार का सामान्य परिचय, भारोपीयभाषा परिवार के अन्तर्गत आर्य परिवार का सामान्य परिचय, भारोपीयभाषा परिवार के अन्तर्गत आर्य परिवार की भाषाओं का विशेष अध्ययन, अवेस्ता और संस्कृत की तुलना, वैदिक संस्कृत और लौकिक संस्कृत की तुलना, भारतीय आर्य भाषाओं का वैदिक संस्कृत से अपभ्रंश तक का विकास। भाषाविज्ञान का लक्षण, भाषाविज्ञान का विविध शास्त्रों से सम्बन्ध। भाषाविज्ञान के अध्ययन के क्षेत्र। भाषाविज्ञान में भाषाओं के अध्ययन की पद्धतियां यथा- समकालिक (वर्णनात्मक और संरचनात्मक भेद सहित), ऐतिहासिक, तुलनात्मक और प्रायोगिक।

(ख) **ध्वनिविज्ञानम्**- ध्वनेर्लक्षणम्, ध्वनिग्रामः, मानवीयवाग्यन्त्रमधिकृत्य ध्वनेरुच्चारणस्य स्थानानि प्रयत्नाश्च, स्वरा व्यञ्जनानि च, संस्कृतध्वनीनामुच्चारणस्थानं प्रयत्नं चाश्रित्य वर्गीकरणम्, ध्वनिपरिवर्तनस्य दिशः कारणानि च। ध्वनिपरिवर्तनविषयकनियमा यथा- ग्रिमनियमः ग्रासमाननियमः वर्नरनियमश्च। १५

ध्वनिविज्ञान- ध्वनि का लक्षण, ध्वनिग्राम, मानवीय वाग्यन्त्र के आधार पर ध्वनियों के उच्चारण स्थान और प्रयत्न, स्वर और व्यञ्जन, संस्कृत ध्वनियों का उच्चारण स्थान और प्रयत्न के आधार पर वर्गीकरण, ध्वनिपरिवर्तन की दिशाएं और कारण। ध्वनि परिवर्तन से सम्बन्धित ध्वनि नियम यथा- ग्रिम नियम, ग्रासमान नियम और वर्नर नियम।

(ग) **अर्थविज्ञानम्-** अर्थबोधसाधनानि, अर्थपरिवर्तनस्य कारणानि दिशश्च। १५

अर्थविज्ञान— अर्थबोध के साधन, अर्थपरिवर्तन के कारण और दिशाएं।

सहायका ग्रन्थाः-

(१) कर्णसिंहकृतं **भाषाविज्ञानम्.** मेरठम्**:** साहित्यभाण्डारं सुभाषबाजारः.
कर्णसिंह. **भाषाविज्ञान.** मेरठ**:** साहित्य भण्डार. सुभाष बाजार.

(२) तिवार्युपाह्वभोलानाथकृतं **भाषाविज्ञानम्.** इलाहाबादम्**:** किताबमहलम्.
तिवारी, भोलानाथ. **भाषाविज्ञान.** इलाहाबाद**:** किताब महल.

(३) कपिलदेवकृतं **भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र** इति. वाराणसी: विश्वविद्यालयप्रकाशनम्, २०१२.
कपिलदेव. **भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र** . वाराणसी: विश्वविद्यालय प्रकाशन, २०१२.

(४) गुणेइत्युपाह्वपाण्डुरङ्गदामोदरकृतं **'ऐन इन्ट्रोडक्शन टू कम्परेटिव फ़िलोलजी'** इति. दिल्ली**:** चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठानम् ३८ यू.ए. बंग्लो मार्गः जवाहरनगरम्, २००५.
Gune, P.D. **An Introduction to Comparative Philology.** Delhi: Chaukhamba Sanskrit Pratishthan. 38 U.A. Bungalow Road. Jawahar Nagar, 2005.

(५) ब्लूमफील्डोपाह्वलिओनार्डकृतः **लैङ्ग्विजः.** न्यू यार्क**:** हॉल्ट रिनेहार्टः एण्ड विन्सटनः, १९३३.
Bloomfield, leonard. **Language**. New York: Holt, Rinehart and Winston, 1933.

Core Major Elective II: **CREDITS 04**

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्- गीतायाम् आत्मप्रबन्धनम् **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र- गीता में आत्मप्रबधन

(क) **मनसः बुद्धेश्च स्वरूपम्** १०

मन तथा बुद्धि का स्वरूप

(ख) **मानसिकं द्वन्द्वं तत्कारणानि च** १०

मानसिक द्वन्द्व तथा उनके कारण

(ग) **मनसः चञ्चलता, नियन्त्रणं तत्संयमनञ्च** १०

मन की चञ्चलता, नियन्त्रण और मन का संयमन

(घ) **चेतनपरमात्मनोः सम्बन्धः, तद्भक्तिश्च** १०

चेतन और परमात्मा के मध्य सम्बन्ध और उसकी भक्ति

(ङ) **योगसिद्धौ साधकानि बाधकानि च तत्त्वानि** १०

योगसिद्धि में साधक एवं बाधक तत्व

(च) **आत्मप्रबन्धनस्य फलम्** १०

आत्मप्रबन्धन का फल

सहायका ग्रन्थाः-

(१) **श्रीमद्भगवद्गीता** शाङ्करभाष्यसहिता, अनुवादकः हरिकृष्णदासः गोयन्दका, गोरखपुरम्, गीता प्रेसः, संवतः २०४९.

श्रीमद्भगवद्गीता शाङ्करभाष्य सहित, अनुवादक हरिकृष्णदास गोयन्दका, गोरखपुर, गीता प्रेस, संवत २०४९.

(२) **श्रीमद्भगवद्गीता** शाङ्करभाष्यसहिता, देहली, मोतीलालः बनारसीदासः, २००४.

श्रीमद्भगवद्गीता शाङ्करभाष्य सहित, दिल्ली, मोतीलाल बनारसीदास, २००४.

(३) **श्रीमद्भगवद्गीता** मधुसूदनसरस्वतीकृत गूढार्थदीपिका नाम्नी संस्कृतटीका प्रतिभाभाष्य नाम्नी हिन्दीव्याख्या समन्विता, व्याख्याकारः मदनमोहनः अग्रवालः, वाराणसी, चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्, १९९४.
श्रीमद्भगवद्गीता मधुसूदनसरस्वती कृत गूढार्थदीपिका संस्कृत टीका तथा प्रतिभा भाष्य हिन्दी-व्याख्या सहित, व्याख्याकार मदन मोहन अग्रवाल, वाराणसी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, १९९४.

(४) तिलकः, बालगङ्गाधरः, **श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य और कर्मयोगशास्त्र** इति, देहली, राजपाल एण्ड सन्स, १९६९.
तिलक, बालगंगाधर, **श्रीमद्भगवद्गीता रहस्य और कर्मयोगशास्त्र** दिल्ली, राजपाल एण्ड सन्स, १९६९.

(५) कुमारः, डॉ विनोदः, **गीता में आत्मप्रबन्धन** इति, देहली, परिमल पब्लिकेशन्स, २०१२.
कुमार, डॉ विनोद, **गीता में आत्मप्रबन्धन**, दिल्ली, परिमल पब्लिकेशन्स, २०१२.

अथवा

पञ्चमं प्रश्नपत्रम्- पुराणेतिहासौ **पूर्णाङ्काः ६०**

पञ्चम प्रश्नपत्र- पुराणेतिहास

(क) व्यासकृतौ **श्रीमद्भागवते** पञ्चमस्कन्धे
प्रथमाध्यायाद् दशमाध्यायपर्यन्तम् ३०
व्यास. **श्रीमद्भागवत** पञ्चम स्कन्ध के प्रथम अध्याय से दसवें अध्याय तक

(ख) वाल्मीकिकृतौ **रामायणे** सुन्दरकाण्डे प्रथमसर्गात् पञ्चदशसर्गपर्यन्तम् ३०
वाल्मीकि. **रामायण** सुन्दरकाण्ड के प्रथम सर्ग से पञ्चदश सर्ग तक

सहायका ग्रन्थाः-

(१) व्यासकृतम् **श्रीमद्भागवतमहापुराणम्.** गोरखपुरम्¦ गीता प्रेसः, २०६७.
व्यास. **श्रीमद्भागवतमहापुराण.** गोरखपुर¦ गीता प्रेस, २०६७.

(२) वाल्मीकिकृतं **श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम्.** गोरखपुरम्¦ गीता प्रेसः,

विक्रमसंवत्सरः २०५६.

वाल्मीकि. **श्रीमद्वाल्मीकीयरामायण.** गोरखपुर¦ गीता प्रेस, विक्रम संवत्सर २०५६.

(३) वाल्मीकिकृतं **श्रीमद्वाल्मीकीयरामायणम्.** सम्पादकमण्डलम् जी ए भट्ट. पी एल वैद्य.डी आर मनकण्ड इत्यादयः.बड़ौदा.

(४) वाल्मीकि. **श्रीमद्वाल्मीकीयरामायण.** सम्पादकमण्डल जी ए भट्ट. पी एल वैद्य. डी आर मनकण्ड इत्यादि. बड़ौदा.

(५) उपाध्यायोपाह्वबलदेवकृतः **पुराण-विमर्शः.** वाराणसी¦ चौखम्बाविद्याभवनम्, १९७८.

उपाध्याय, बलदेव. **पुराण-विमर्श.** वाराणसी¦ चौखम्बा विद्या भवन,१९७८.

(६) त्रिपाठ्युपाह्वकृष्णमणिकृतं **पुराणपर्यालोचनम्** समीक्षात्मको भागः. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, १९७५.

त्रिपाठी, कृष्णमणि. **पुराणपर्यालोचन** समीक्षात्मक भाग. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९७५

(७) त्रिपाठ्युपाह्वकृष्णमणिकृतं **पुराणपर्यालोचनम्** गवेषणात्मको भागः. वाराणसी¦ चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्,१९७६.

त्रिपाठी, कृष्णमणि. **पुराणपर्यालोचन** गवेषणात्मक भाग. वाराणसी¦ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, १९७६.

(८) द्विवेद्युपाह्वकपिलदेवकृतः **'संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास'** इति. इलाहाबादम्¦ संस्कृतसाहित्यसंस्थानम् ३७. कचेहरी मार्गः.

द्विवेदी, कपिलदेव. **संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास.** इलाहाबाद¦ संस्कृत साहित्य संस्थान ३७. कचेहरी मार्ग.

(९) कामिलबुल्केकृता **'रामकथा¦ उत्पत्ति और विकास'** इति. प्रयागविश्वविद्यालयः हिन्दीपरिषद् , १९९७.

कामिलबुल्के. **रामकथा: उत्पत्ति और विकास**. प्रयाग विश्वविद्यालय¦ हिन्दी परिषद्, १९९७.